sārasvatī-suṣamā-patrikāyā
viṣayānukramaṇikāṇāṁ(51-64) *saṅkalanaṁ*
maisūru-nivāsinā jagannāthena kṛtam

jagannathas1956@gmail.com

51.1-4 Svarṇa Jayantī

सारस्वती-सुषमा-मङ्गलाभिनन्दनम्
पण्डितश्रीमनुदेवभट्टाचार्यः १-१८

वैदिकी सुषमा

१. **अथर्ववेदस्य सार्वभौमहितभावना**
डॉ० मण्डनमिश्रः १-८

२. **वेदमूर्तिसातवलेकरमहाभागानां व्यक्तित्वं कर्तृत्वं च**
डॉ० श्रीधरभास्करवर्णेकरः ९-१४

३. **वेदेषु विकृतिपाठानां विचारः**
श्रीआमोदवर्धनः कौण्डिन्न्यायनः १५-४०

४. **वैदिक-सन्ध्योपासन-पद्धति-विचारः**
श्रीशिवराज-आचार्यः कौण्डिन्न्यायनः ४१-५९

५. **वैदिकवाङ्मये वाक्तत्त्वविमर्शः**
डॉ० कपिलदेवपाण्डेयः ६०-६७

६. **वेदेषु एकेश्वरवादः**
डॉ० राममूर्तिचतुर्वेदी ६८-७८

७. **वैदिकदेवतासु उषस्** डॉ॰ गोपीनाथपण्डा ७९-८१

८. **षट्त्रिंशद् भार्गवाणां वेदोपबृंहणे सहयोगस्तेषां परिचयश्च**
डॉ॰ केशवप्रसादमिश्र: ८२-१०३

९. **जैमिनीय-धर्म-मीमांसाशास्त्र-निर्णीतानां वैदिक-कृत्यकालानां चान्द्रमान-नियतत्वम्**
श्रीप्रमोदवर्धन: कौण्डिन्न्यायन: १०४-१३४

१०. **मन्त्रार्थविमर्शे स्वरशास्त्रस्य वैशिष्ट्यम्**
डॉ॰ चन्द्रकान्ता राय १३५-१४३

११. **उपनिषदः शिक्षणीयतत्त्वानि**
डॉ॰ आदित्यनाथभट्टाचार्य: १४४-१५८

१२. **वेदाङ्गेषु शिक्षाङ्गप्राथम्यम्**
डॉ॰ देवेन्द्रनाथत्रिपाठी १५९-१६५

१३. **वैदिकावेस्तीयभाषयोरेकं परिशीलनम्**
डॉ॰ शारदाचतुर्वेदी १६६-१७९

तान्त्रिकी सुषमा

१४. **वर्णोदयविमर्शः**
डॉ॰ परमहंसमिश्र: १८१-१८८

१५. **सिद्धगुरुः श्रीशम्भुनाथः**
डॉ॰ बलजिन्नाथपण्डित: १८९-१९८

१६. **तन्त्रागमशास्त्रे शक्तिपीठानामवधारणा**
डॉ॰ अविनाशनाथत्रिपाठी १९९-२०५

१७. **कालस्वरूपविमर्शः**
डॉ॰ हरिवंशकुमारपाण्डेय: २०६-२१९

शाब्दिकी सुषमा

१८. **भावप्रधानमाख्यातम्** श्रीविश्वनाथमिश्र: २२१-२२७

१९. **संस्कृतव्याकरणं तत्सम्बद्धं भाषाविज्ञानञ्च** डॉ रामनारायणदास: २२८-२३६

२०. **मीमांसकशाब्दिकमतानुसारं लकारार्थविमर्शः**
पण्डितश्रीमनुदेवभट्टाचार्यः २३७-२४४

२१. **संस्कृतवाङ्मये निपातानामहमहमिका** डॉ हरिश्चन्द्रमणित्रिपाठी २४५-२६१

२२. **शाब्दापरोक्षवादः**
डॉ॰ सत्यदेवमिश्रः २६२-२६७

२३. **तादर्थ्यचतुर्थ्यर्थविचारः**
डॉ॰ एस॰टि॰के॰ श्रीरङ्गाचार्यः २६८-२७४

२४. **स्फोट-ध्वनि-सम्बन्ध-समीक्षा**
डॉ॰ रमाशङ्करमिश्रः २७५-२८३

२५. **पाणिनीयशब्दानुशासनवैशिष्ट्यम्**
डॉ॰ गिरिजेशकुमारदीक्षितः २८४-२९६

२६. **भाषास्वरूपविमर्शः**
डॉ॰ सत्यप्रकाशदुबे २९७-३०५

२७. **शब्दार्थविचारः**
डॉ॰ वृजकिशोरत्रिपाठी ३०६-३३१

ज्यौतिषी सुषमा

२८. **ज्योतिर्विदां चक्षुः**
डॉ॰ कृष्णचन्द्रद्विवेदी ३३३-३३६

२९. **होराशास्त्रस्य सङ्क्षिप्तं विवेचनम्**
डॉ॰ इन्दुनाथशर्मा ३३७-३४५

३०. **ज्योतिषशास्त्रीयग्रन्थानां साहित्यसौन्दर्यम्**
डॉ॰ नागेन्द्रपाण्डेयः ३४६-३७४

३१. **भास्करोक्तभूगोले पुरविभागव्यवस्था** डॉ देवीप्रसादत्रिपाठी ३७५-४०३

दार्शनिकी सुषमा

३२. **ब्रह्मणो जिज्ञास्यत्वनिरूपणम्** प्रो॰ पारसनाथद्विवेदी ४०५-४१५

३३. **अध्यासस्वरूपविमर्शः**
डॉ॰ रामकिशोरत्रिपाठी ४१६-४३१

३४. **शक्तिस्वरूपविमर्शः**
आचार्यश्रीकेदारनाथत्रिपाठी ४३२-४४०

३५. **विशिष्टाद्वैतवेदान्तसम्मतं कालस्वरूपम्**
डॉ॰ कौस्तुभानन्दपाण्डेयः ४४१-४५०

३६. **आचार्यबदरीनाथशुक्लाभिमतनव्यदेहात्मवादपरीक्षणम्**
डॉ॰ राजारामशुक्लः ४५१-४५९

३७. **भारतीयदर्शनेषूपनिषत्परम्परा**
डॉ॰ हरिप्रसाद-अधिकारी ४६०-४९७

३८. **बौद्धदर्शनेषु मोक्षस्य स्वरूपम्**
डॉ॰ रमेशकुमारद्विवेदी ४९८-५०२

३९. **जैनधर्मेऽपरिग्रहवादविमर्शः**
डॉ॰ फूलचन्द्रो जैनः ५०३-५०८

साहित्यिकी सुषमा

४०. **राजशेखरे वैदिकदर्शनस्य प्रभावः**
पण्डितश्रीशिवजी-उपाध्यायः ५०९-५१५

४१. **पञ्चभरतम्**
डॉ॰ पारसनाथद्विवेदी ५१६-५२६

४२. **स्वर्णसौरभम्**
डॉ॰ शिवदत्तशर्मा चतुर्वेदः ५२७-५३५

४३. **कालिदाससमीक्षकेषु रुचकस्य वैशिष्ट्यम्**
डॉ॰ शशिधरशर्मा ५३६-५४५

४४. **व्याख्यापद्धतिः** प्रो॰ रहसविहारीद्विवेदी ५४६-५५७
४५. **गुणालङ्कारसम्बन्धविमर्शः** डॉ॰ प्रभुनाथद्विवेदी ५५८-५७१
४६. **मीमांसादर्शनं मम्मटश्च** डॉ॰ वनेश्वरपाठकः ५७२-५७८
४७. **आचार्यबच्चूलालोऽवस्थी, तद्यशःप्रतानिनी 'प्रतानिनी' च : एकं समीक्षणम्** डॉ॰ मनुलताशर्मा ५७९-६१५
४८. **रसविमर्शः**
डॉ॰ प्यारेलालपाण्डेयः ६१६-६२८
४९. **राष्ट्रियः कविः कालिदासः** श्रीनरेन्द्रकुमारपाण्डेयः ६२९-६३४
५०. **विशाखदत्तस्य नाट्यघटनानुशीलनम्**
डॉ॰ ददन-उपाध्यायः ६३५-६४८
५१. **'अलङ्कारकौस्तुभे' खण्डनत्वेन समागतानामलङ्काराणां समीक्षा**
डॉ॰ नागेशचन्द्रपाण्डेयः ६४९-६६७

पौराणिकी सुषमा

५२. **पुराणेषु तन्त्रालोकः**
प्रो॰ गङ्गाधरपण्डा ६६९-६७२
५३. **श्रीमद्भागवताभिमतं प्रमाणसामान्यलक्षणं प्रमाणप्रयोजनञ्च**
डॉ॰ विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो विनयः ६७३-६८३

सांस्कृतिकी सुषमा

५४. **भारतीया संस्कृतिः का? कथञ्च साऽवलोकनीया?**
प्रो॰ राधेश्यामधरद्विवेदी ६८५-६९४
५५. **वाल्मीकिरामायणे षोडश संस्कृतिसन्देशाः**
डॉ॰ जानकीप्रसादद्विवेदः ६९५-७१०
५६. **हिन्दूसमाजे संस्काराणां प्रयोजनं महत्त्वञ्च**
डॉ॰ ओङ्कारनाथतिवारी ७११-७२३

५७. भारतीयजनजीवने संस्कृतसंस्कारयोस्सार्वजनीना स्थितिः
डॉ॰ व्यासमिश्रः ७२४-७३२
५८. विवाह-व्यवस्था-विमर्शः
श्रीवाचस्पतिकुमारपाठकः ७३३-७४८

प्राकीर्णिकी सुषमा

५९. लोकमातुस्त्रिपथगायाः स्वरूपम्
आचार्यश्रीकुबेरनाथशुक्लः ७४९-७६०

६०. गङ्गाज्ञानमहोदधिदीधितिः
श्रीरमापदचक्रवर्त्ती ७६१-७६५
६१. आधुनिकचर्याविमर्शः
डॉ॰ रामनारायणत्रिपाठी ७६६-७७८
६२. वाल्मीकिरामायणे गुम्फिता पर्यावरणचेतना
डॉ॰ बालकृष्णशर्मा ७७९-७९०

52.1-2

१. संस्कृतपाण्डुलिपीनां संरक्षणे पण्डितानामवदानम्
डॉ. गयाचरणत्रिपाठी १-१२
२. श्रीमद्भागवते दिक्कालानुसन्धानम्
डॉ. विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो विनयः १३-३९
३. वेदरक्षणं नाम वेदार्थानुशीलनम्
डॉ. राममूर्तिचतुर्वेदी ४०-५०
४. वसोर्धारामन्त्रेषु यज्ञस्य विभावना कर्मयोगपरिकल्पिका
प्रो. इन्द्रवदन-बी. रावलः ५१-५७

५. **वेदाङ्गेषु श्रौतकल्पाङ्गवैशिष्ट्यम्**
डॉ. देवेन्द्रनाथत्रिपाठी ५८-६१

६. **लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति**
डॉ. मुरलीधरपाण्डेय: ६२-६४

७. **धात्वर्थसिद्धान्तविमर्श:**
डॉ. रामकिशोरत्रिपाठी ६५-७८

८. **व्याकरणस्य महत्ता**
डॉ. मङ्गलाराम: ७९-८५

९. **नञर्था: षट् प्रकीर्तिता:** डॉ. गायत्रीदेवी ८६-९५

१०. **लिङ्गतत्त्वनिर्णय:**
डॉ. वृजकिशोरत्रिपाठी ९६-१०६

११. **मानवजीवने ग्रहाणां प्रभाव:**
डॉ. कृष्णचन्द्रद्विवेदी १०७-१११

१२. **दर्शनेषु मुक्तिविमर्श:**
श्रीशिवशङ्करमिश्र: ११२-१२९

१३. **वैशेषिकदर्शने व्याप्तिविमर्श:**
डॉ. शशिप्रभा-कुमार १३०-१३९

१४. **मोक्षप्राप्तौ मनस: प्राधान्यम्**
श्रीमती महेश्वरिपिल्ला एस. १४०-१४३

१५. **प्रतिभाया: प्रमाणत्वविचार:**
डॉ. मुरलीमनोहरपाठक: १४४-१५१

१६. **स्वातन्त्र्यशौर्यम्**
पण्डितश्रीशिवजी-उपाध्याय: १५२-१७२

१७. **महाकविभवभूतिनाट्यसाहित्यादर्शे भारतदर्शनम्**
डॉ. बालकृष्णशर्मा १७३-१८६

१८. **माघकाव्ये राजसंस्कृति:**
डॉ. रामाशीषपाण्डेय: १८७-१९९

१९. **सुहृत्तत्त्वविमर्श:**
डॉ. सङ्कठादेवपाण्डेय: २००-२१७

52.3-4

१. **निर्विशेषब्रह्मवाद:**
प्रो. पारसनाथद्विवेदी २१९-२२४

२. **पारस्करगृह्यसूत्रोक्ताशौचनिरूपणम्**
शिवराज-आचार्य: कौण्डिन्न्यायन: २२५-२७०

३. **न धातुलोप आर्धधातुके**
पण्डितश्रीमनुदेवभट्टाचार्य: २७१-२९४

४. **कर्मसिद्धान्तविवेचनम्**
डॉ. हरिप्रसाद-अधिकारी २९५-३००

५. **अद्वैते प्रपञ्चोपादानत्वविमर्श:**
डॉ. रामकिशोरत्रिपाठी ३०१-३१६

६. **महाकविभवभूतिनाट्यसाहित्ये जीवनमूल्यदर्शनम्**
डॉ॰ बालकृष्णशर्मा ३१७-३२६

७. **भाणश्चतुर्भाणी च**
डॉ. वनेश्वरपाठक: ३२७-३३६

८. **आनन्दस्वरूपविमर्श:**
डॉ. मनुलताशर्मा ३३७-३५८

53.1-2

१. **वेदेषु पर्यावरणं तस्य रक्षणञ्च**

डॉ. रामाशीषपाण्डेय: १-१८

२. **यज्ञतत्त्वमीमांसा**

डॉ. राममूर्तिचतुर्वेदी १९-२६

३. **श्रीमद्भागवतप्रस्थाने शब्दस्वरूपस्य तत्प्रमाणत्वस्य च विमर्शः**

डॉ. विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो विनय: २७-४४

४. **निपातार्थनिर्णयसमीक्षणम्**

डॉ. परमहंसमिश्र: ४५-५४

५. **अष्टाध्याय्यां स्मृतानामाचार्याणां परिचयः**

डॉ. गिरिजेशकुमारदीक्षित: ५५-६२

६. **शाब्दबोधविमर्शः**

डॉ. रमाकान्तपाण्डेय: ६३-७२

७. **धर्मशास्त्रेषु बालानामधिकाराः**

डॉ. बनारसीत्रिपाठी ७३-८२

८. **साक्षिस्वरूपविमर्शः**

प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी ८३-१००

९. **ब्रह्मणः सविशेषस्वरूपसमीक्षा**

डॉ. जयप्रकाशनारायणत्रिपाठी १०१-१०४

१०. **मीमांसाशास्त्रस्य वैधत्वम्**

डॉ. कमलाकान्तत्रिपाठी १०५-११२

११. **न्यायमीमांसामते निर्विकल्पकसमीक्षणम्**

ब्रह्मचारी श्रीसमतानन्द: ११३-१२०

१२. **शब्दस्य प्रमाणान्तरत्वसाधनम्**
श्रीविष्णुपदमहापात्र: १२१-१३६

१३. **कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे अभिज्ञानशाकुन्तलम्**
डॉ. ददन-उपाध्याय: १३७-१५०

लघु-ग्रन्थमाला

देवीस्तोत्रम्
श्रीयशस्करकवि: १-३७

तर्कचन्द्रिका
श्रीहरिराय: १-१९

53.3-4

१. **श्रीपरशुरामकल्पसूत्रम्** डॉ. परमहंसमिश्र: १५१-१५६
डॉ. परमहंसमिश्र:
२. **तन्त्रोक्तस्य श्रीचक्रस्य वैदिकत्वविमर्श:**
डॉ. बृजेशकुमारशुक्ल: १५७-१६६
३. **न्यायनये सार्थकशब्दविवेचनम्** डॉ. विष्णुपदमहापात्र: १६७-१८८
लघु-ग्रन्थमाला **विशुद्धवैभवं महाकाव्यम्** पण्डितश्रीमनुदेवभट्टाचार्य: १-१५२

54.1-2

१. **प्रतिबिम्बवाद:**
प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी १-१४

२. **अमूर्त्तदेवतातत्त्वविमर्श:**
डॉ. बनारसीत्रिपाठी १५-२८

३. **दर्शनानामास्तिकनास्तिकत्वविमर्श:**
डॉ. हरिप्रसाद-अधिकारी २९-४०

४. **कार्यकारणभावमीमांसा**
डॉ. वृजकिशोरत्रिपाठी ४१-५८

५. **विधवोद्वाहमीमांसा**
डॉ. कमलाकान्तत्रिपाठी ५९-७२

६. **कालविवेचनम्**
डॉ. देवीप्रसादत्रिपाठी ७३-१०८

७. **बौद्धनये प्रमाणविमर्शः**
डॉ. देवीप्रसादद्विवेदी १०९-११६

८. **श्रीनीलकण्ठदीक्षितस्य शिवलीलार्णवः**
डॉ. ददन-उपाध्यायः ११७-१२८

लघु-ग्रन्थमाला

१. **पराम्बास्तुतिशतकम्**
श्रीविद्याधरदत्तपाण्डेयः १-४०

२. **आकाङ्क्षावादः**
डॉ. हरेरामत्रिपाठी १-२७

54.3-4

१. **'र' प्रत्याहारः**
प्रो. आद्याप्रसादमिश्रः १२९-१३४

२. **शब्दशास्त्रीयकतिपयसिद्धान्तविमर्शः**
डॉ. रमाकान्तपाण्डेयः १३५-१४६

३. **वेदाङ्गेषु निरुक्ताङ्गवैशिष्ट्यम्**
डॉ. देवेन्द्रनाथत्रिपाठी १४७-१५२

४. **तत्त्वमसिमहावाक्यस्याखण्डार्थत्वविचारः**
प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी १५३-१६८

५. **शेषत्वलक्षणविचारः**
डॉ. कमलाकान्तत्रिपाठी १६९-१८०

६. **प्राच्यभारतीयान्वेषणकथासन्देशः - ३**
डॉ. जानकीप्रसादद्विवेदी १८१-२०४

७. **ज्ञानश्रीमित्रस्य कतिपयनिबन्धसमीक्षा**
डॉ. वृजकिशोरत्रिपाठी २०५-२१२

८. **सामाजिकन्यायव्यवस्थानुशीलनम्**
डॉ. गिरीशदत्तपाण्डेयः २१३-२२०

९. **बौद्धनये निर्वाणस्वरूपविमर्शः**
डॉ. देवीप्रसादद्विवेदी २२१-२२८

१०. **कालिदासस्य सन्देशः**
प्रो. शिवजी-उपाध्यायः २२९-२३२

११. **प्रबन्धकाव्यरचनापरम्परायां मुक्तककाव्यावदानविमर्शः**
डॉ. बालकृष्णशर्मा २३३-२४०

१२. **पर्यावरणसंरक्षणार्थं सन्देशः**
डॉ. रामप्रतापतिवारी २४१-२४६

१३. **विश्वनाथः शब्दकाव्यतावादी वा**
श्रीश्यामानन्दमिश्रः २४७-२५०

१४. **महाकविकालिदासस्य विमानविज्ञानम्**
डॉ. रामाशीषपाण्डेयः २५१-२५८

१५. **काव्यस्य भूमिः**
डॉ. ददन-उपाध्यायः २५९-२७०

१६. **भट्टिस्तस्य काव्यत्वञ्च**
श्रीरंजनकुमारपाण्डेयः २७१-२७६

लघु-ग्रन्थमाला

१. **पार्वतीमङ्गलम्**
प्रो. पारसनाथद्विवेदी १-६०

55.1-4 Paṇḍita Rājeśvaraśāstrin special issue

१. **पण्डितराजवैभवम्**
पण्डितश्रीमनुदेवभट्टाचार्यः १-२०

२. **संस्कृतकाव्येतिहासवाङ्मयविमर्शः**
मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः २१-३२

३. **वेदशास्त्रयोः प्रदीपवत्सर्वार्थविद्योतित्वं जगद्धितैषित्वञ्च**
पण्डितराजश्रीराजेश्वरशास्त्रिद्राविडः ३३-७०

४. **शास्त्रार्थविचारपद्धतिः**
पण्डितराजराजेश्वरशास्त्रिद्राविडः ७१-७६

५. **हिन्दुत्वम्** श्रीगीर्वाणवाग्वर्धिनीसभा ७७-८०

६. **हिन्दुधर्मस्वायोगस्य प्रश्नानामुत्तराणि**
पण्डितराजराजेश्वरशास्त्रिद्राविडः ८१-९२

७. **भारतभूगोहितत्वविमर्शः**
पण्डितराजराजेश्वरशास्त्रिद्राविडः ९३-१२८

८. **न्यायकुसुमाञ्जलिः**
पण्डितराजश्रीराजेश्वरशास्त्रिद्राविडः १२९-१३६

९. **पण्डितराजस्य न्यायकुसुमाञ्जलिलेखे विचारः**
पं. केदारनाथ-ओझा १३७-१४४

१०. **न्यायकुसुमाञ्जलिलेखविचारपरीक्षणम्**
श्रीहरिरामशुक्लः १४५-१४८

११. **न्यायकुसुमाञ्जलिविचारपरीक्षणनिरीक्षणम्**
श्रीकेदारनाथ-ओझा १४९-१५४

१२. **न्यायकुसुमाञ्जलिविचारपरीक्षणयाथार्थ्यानुसन्धानम्**
श्रीहरिरामशुक्लः १५५-१६०

१३. **'अथ' - शब्दजिज्ञासा**
प्रो॰ वि॰ वेङ्कटाचलम् १६१-१७४

१४. **श्रीगुरुचरणानां शास्त्रप्रीतिः**
म.म. श्रीविश्वनाथशास्त्रिदातारः १७५-१८२

१५. **सम्प्रदायरक्षकाः पूजनीयास्तातपादाः**
श्रीविश्वेश्वरद्राविडः (पण्डितराजानां द्वितीयः पुत्रः) १८३-१९०

१६. **तपोमयं जीवनं तातपादानां वैशिष्ट्यम्**
श्रीगणेश्वरशास्त्रिद्राविडः (पण्डितराजानां तृतीयः पुत्रः) १९१-१९८

१७. **कौटिलीयमर्थशास्त्रम् : पण्डितराजचिन्तनम्**
श्रीजगन्नाथशास्त्रितैलङ्गः १९९-२०८

१८. **पीलुपाकवादे पण्डितराजराजेश्वरशास्त्रिपादानां दृष्टिः**
डॉ. राजारामशुक्लः २०९-२१४

१९. **वाक्यलक्षणविमर्शः**
प्रो॰आद्याप्रसादमिश्रः २१५-२२२

२०. **पाणिनीयव्याकरणस्य महत्त्वं महनीयत्वञ्च**
डॉ.आदित्यनाथभट्टाचार्यः २२३-२३६

२१. **पाणिनीयमुकारनिर्वचनम्**
पण्डितश्रीमनुदेवभट्टाचार्यः २३७-२९०

२२. **प्रतिषेधपर्यालोचनम्**
डॉ. कमलाकान्तत्रिपाठी २९१-३१४

२३. **पाणिनि-पतञ्जलि-भर्तृहरीणामात्मदर्शनविमर्शः**
डॉ. तेजःपालशर्मा ३१५-३२०

२४. **भामहस्य शब्दशास्त्रवैदुष्यम्**
डॉ. जा. रामकृष्णः ३२१-३३२

२५. **अपभ्रंशवृत्तिविषये शास्त्रकृतां वैमत्यम्**
डॉ. का.इ.मधुसूदनः ३३३-३४२

२६. **वैशेषिकमतेन समवायनिरूपणम्**
श्री के.इ.धरणीधरन् ३४३-३४८

२७. **भारतीयदर्शनानां पर्यालोचनम् [चार्वाकदर्शनविवेचनम्]**
डॉ. हरिप्रसाद-अधिकारी ३४९-३५४

२८. **श्रीमुण्डकोपनिषत्सारः**
डॉ. एस.रेवती ३५५-३५८

२९. **मीमांसकशक्तिखण्डने तर्कोऽप्रतिष्ठः**
डॉ. उज्ज्वलापानसेझा ३५९-३६४

३०. **आधुनिके संस्कृतकाव्ये प्रौढिः**
डॉ. सदाशिवकुमारो द्विवेदी ३६५-३७६

३१. **आत्मतत्त्वनिरूपणे तर्कस्य कथङ्कारमुपयोगः**
डॉ. वि.स्वामिनाथन् ३७७-३८८

३२. **कार्यकारणभावविषये विशिष्टाद्वैतिनां सिद्धान्तः**
प्रो॰ का॰ इ॰ देवनाथन् ३८९-३९२

३३. **भट्टोपाह्वः काशीनाथस्तत्कृतयश्च**
प्रो॰ व्रजवल्लभद्विवेदः, डॉ॰ शीतलाप्रसाद-उपाध्यायः ३९३-४४०

३४. **श्रीभास्कररायास्तेषां भावनोपनिषद्भाष्यञ्च**
डॉ. राजनाथत्रिपाठी ४४१-४५०

३५. **आचार्यश्रीनिवासरथस्य काव्यश्रियो वैशिष्ट्यम्**
डॉ. मनुलताशर्मा ४५१-४७४

३६. **सीलं किरेव कल्याणं सीलं लोके अनुत्तरं**
प्रो॰ ब्रह्मदेवनारायणशर्मा ४७५-४८२

३७. **अग्निपुराणोक्तपञ्चाङ्गसाधनविज्ञानम्**
श्रीश्यामदेवमिश्रः ४८३-५०६

३८. **भारतनेपालयोः सांस्कृतिकः सम्बन्धः : एकं समीक्षणम्**
प्रो. युगलकिशोरमिश्रः ५०७-५१४

३९. **श्रीमद्भागवते गायत्र्यर्थसमन्वितिः**
डॉ. विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो 'विनयः' ५१५-५४०

४०. **आयुर्यज्ञेन कल्पताम्**
डॉ. प्रभुनाथद्विवेदी ५४१-५५४

४१. **अथर्वाख्यश्चतुर्थोऽसौ वेद एव न संशयः**
प्रो. सन्निधानसुदर्शनशर्मा ५५५-५६२

४२. **निगमागमसंस्कृतिविमर्शः**
डॉ. राममूर्तिचतुर्वेदी ५६३-५७४

56.1-2

१. **संस्कृतकवितायां भारतीयस्वातन्त्र्यसमरस्य चित्रणम्**
मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः १-१२

२. **वेदान्तमीमांसाशास्त्रारम्भणं युक्तम्**
प्रो. पारसनाथद्विवेदी १३-१६

३. **निम्बार्काचार्यस्य सिद्धान्तसारः**
डॉ. आदित्यनाथभट्टाचार्यः १७-२६

४. **पूर्वमीमांसादर्शने प्रमाणमीमांसा**
डॉ. कपिलदेवपाण्डेयः २७-३८

५. **जैनदर्शनपर्यालोचनम्**
डॉ. हरिप्रसाद-अधिकारी ३९-५०

६. **भवभूतिनाट्यसाहित्ये गुम्फिता पर्यावरणचेतना**
डॉ. बालकृष्णशर्मा ५१-६२

७. **भारविविशाखदत्तयो राजनीतिकदृष्टिः**
डॉ. दुर्गाप्रसादमिश्रः ६३-६८

८. **साहित्यशास्त्रे ध्वनिसिद्धान्तः**
डॉ. वृजेशमणिपाण्डेयः ६९-८८

लघु-ग्रन्थमाला

१. **रसचन्द्रिका**
श्रीविश्वेश्वरपाण्डेयः १-८७

56.3-4

१. **संस्कृते प्राविधिकविज्ञानम्**
मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः ८९-९८

२. **अन्यख्यात्यनिर्वचनीयख्यात्योर्विमर्शः**
प्रो॰ पारसनाथद्विवेदी ९९-१०८

३. **पाणिनीया स्वरप्रक्रिया**
डॉ॰ कपिलदेवपाण्डेयः १०९-११४

४. **महाकविभवभूतेः शब्दकोशपर्यालोचनम्**
डॉ॰ बालकृष्णशर्मा ११५-१२६

५. **त्रिपुरुषवादे पुरुषसम्प्रत्ययः**
डॉ॰ राममूर्तिचतुर्वेदी १२७-१४२

६. **प्रत्यक्षप्रमाणस्वरूपविमर्शः**
श्रीगणपतिशुक्लः १४३-१५४

७. **चमत्कारसिद्धान्तः**
प्रो॰ सन्निधानं सुदर्शनशर्मा १५५-१६४

लघु-ग्रन्थमाला

१. **सीतारावणसंवादझरी**
श्रीचामराजनगररामशास्त्री १-१२२

57.1-2

१. **उत्तरबाणभट्टकथा**
मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः १-१६

२. **क्क्ङिति चेति सूत्रार्थविचारः**
डॉ॰ गिरिजेशकुमारदीक्षितः १७-२४

३. **पातञ्जलमहाभाष्ये पर्यावरणविज्ञानम्**
डॉ. श्रीकान्तपाण्डेयः २५-३२

४. **पाणिन्युपज्ञं कारकार्थविश्लेषणम्**
डॉ. रामचन्द्रद्विवेदी ३३-३८

५. **बाधबीजानुशीलनम्**
डॉ॰ वृजकिशोरत्रिपाठी ३९-५२

६. **रोमकसिद्धान्तानुशीलनम्**
डॉ॰ नागेन्द्रपाण्डेयः ५३-५६

७. **वेदान्तमीमांसाशास्त्रारम्भणं युक्तम् [विमर्शः]**
डॉ॰ कमलाकान्तत्रिपाठी ५७-७०

८. **भारतीयदर्शनेषु पुनर्जन्मसिद्धान्तः**
डॉ॰ धर्मेन्द्रकुमारसिंहदेवः ७१-९८

९. **संस्कृतवाङ्मये सैन्यविज्ञानम्**
डॉ॰ जनार्दनप्रसादपाण्डेयः ९९-१०८

१०. **दूतकाव्यविमर्शः**
डॉ॰ कमलेशझाः १०९-११४

लघु-ग्रन्थमाला

१. **ईश्वरवादः**
श्रीहरेरामत्रिपाठी १-२६

57.3-4

१. **पण्डितराजजगन्नाथकाव्ये राष्ट्रियभावना**
प्रो. 'अभिराज'-राजेन्द्रमिश्रः ११५-१३०

२. **वेदानां व्याख्याने भाषावैज्ञानिकमुन्मीलनम्**
डॉ. कपिलदेवपाण्डेयः १३१-१३४

३. **ब्राह्मणग्रन्थानां लोकदृष्टिः**
डॉ. हरीश्वरदीक्षितः १३५-१४०

४. **गोशब्दस्य यास्कीयनिर्वचनम्**
डॉ. महेन्द्रपाण्डेयः १४१-१४६

५. **आत्मनि प्रमाणम्** (न्यायवैशेषिकदर्शनानुसारेण)
डॉ. सर्वेश्वरराजहंसः १४७-१५६

६. **जगदीशगदाधरयोर्मतभेदसमीक्षा**
डॉ. रामलालशर्मा १५७-१६०

७. **योगदर्शने ईश्वरस्य महत्त्वम्**
डॉ. वीना श्रीवास्तवा १६१-१६६

८. **सविकल्पकप्रत्यक्षमयाः प्राणाः**
डॉ. कमलेशमिश्रः १६७-१७२

९. **अवधिः पञ्चम्यर्थः**
डॉ. राममनोहरमिश्रः १७३-१८४

१०. **क्रियाविशेषणविमर्शः**
डॉ. हरिवंशकुमारपाण्डेयः १८५-२०२

११. **वैदिकबौद्धयोः समानः पन्थाः** डॉ. हरिप्रसाद-अधिकारी २०३-२०८

१२. **विष्णुबलिसंस्कारः**
डॉ. वेदान्तं श्रीविष्णुभट्टाचार्यः २०९-२१२

१३. **श्रीमद्भागवतदर्शने कार्यकारणभावविमर्शः**
डॉ. विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो 'विनयः' २१३-२२८

१४. **किं तावत् काव्यतत्त्वम्**
प्रो. रेवाप्रसादो द्विवेदी २२९-२३२

१५. **अभिराजस्याभिराजता** (मधुपर्णीमत्ता-मत्तवारणी-सन्दर्भे)
डॉ. मनुलताशर्मा २३३-२६२

१६. **संस्कृतभाषाशिक्षणम्**
डॉ. श्रीमती लतापन्ततैलङ्ग २६३-२६६

लघु-ग्रन्थमाला

१. **भेदरत्नम्**
महामहोपाध्यायशङ्करमिश्रविरचितं १-३२

58.1-2

१. **महाकालप्रियाऽवन्तिका**
मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः १-८

२. **वेदानामुभयसाधारणत्वम्**
डॉ. छोटेलालत्रिपाठी ९-२८

३. **श्रौतस्मार्तयज्ञेषु विज्ञानम्**
डॉ. महेन्द्रपाण्डेयः २९-३६

४. **निरुक्ते शब्दशक्तयः**
डॉ. रामाशीषपाण्डेयः ३७-४४

५. **वेदाङ्गेषु च्छन्दः**
डॉ. ददन-उपाध्यायः ४५-५४

६. **वेदतत्त्वमीमांसा**
डॉ. पतञ्जलिमिश्रः ५५-६२

७. **तन्त्रागमीयतत्त्वसमीक्षा**
प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी ६३-८४

८. **वाक्यस्वरूपविचारः**
डॉ. राममनोहरमिश्रः ८५-९६

९. **नूतनदृष्ट्याऽन्वेषिता विश्लेषिताश्चाधिकौमुदि केचित् प्रश्नाः**
पण्डितश्रीमनुदेवभट्टाचार्यः ९७-११२

१०. **वैयाकरणं प्रत्युदाहरणम्**
डॉ. गोपबन्धुमिश्रः ११३-११८

११. **पाणिनीयव्याकरणे णत्वविधानम्**
डॉ. सत्यप्रकाशः दुबे ११९-१२६

१२. **क्त्वाप्रत्ययार्थविचारः**
डॉ. एस.टी.के. श्रीरङ्गाचार्यः १२७-१३४

१३. **न्यायवैशेषिकदर्शनयोरात्मलक्षणविवेचनम्**
डॉ. सर्वेश्वरराजहंसः १३५-१४४

१४. **आकृतिशक्त्यधिकरणविमर्शः**
डॉ. प्रलयकुमारनन्दः १४५-१५०

१५. **न्यायमतेन प्रामाण्यविमर्शः**
डॉ. शिवशङ्करमिश्रः १५१-१६०

१६. **कालस्वरूपसमीक्षणम्**
डॉ. सदानन्दशुक्लः १६१-१७०

१७. **मानवजीवने पौरोहित्यस्य प्रभावः**
डॉ. रामराज-उपाध्यायः १७१-१७८

१८. **कालिदाससाहित्ये गङ्गा**
प्रो. रेवाप्रसादद्विवेदी १७९-१९०

१९. **काव्यनायको धर्मश्च**
प्रो. रहसविहारी द्विवेदी १९१-१९८

२०. **पण्डितराजानां काव्यलक्षणम्**
डॉ. वृजकिशोरत्रिपाठी १९९-२०८

58.3-4

१. **समासशक्तिविमर्शः**
डॉ. राममनोहरमिश्रः २०९-२१८

२. **पाणिनिव्याकरणे सूत्रसमीक्षा**
प्रो. बाँकेलालमिश्रः २१९-२२८

३. **'ङेर्यः' इति सूत्रार्थवर्णनप्रकारः**
डॉ. के.वि. सोमयाजुलुः २२९-२३२

४. **द्विकर्मकधातुसमीक्षा**
डॉ. भगवतशरणशुक्लः २३३-२४२

५. **ऋग्वेदे सृष्टितत्त्वविमर्शः**
डॉ. राममूर्तिचतुर्वेदी २४३-२५४

६. **आचार्यजयन्तभट्टाभिमतनिर्विकल्पकविचारः**
डॉ. का.इ. धरणीधरः २५५-२५८

७. **व्याप्तिज्ञानप्रतिबन्धकोपाधिविवेकः**
डॉ. कमलेशमिश्रः २५९-२६२

८. **नैयायिकमतानुसारिकारणस्वरूपविचारः**
डॉ. महेशझाः २६३-२७०

९. **तन्त्रागमप्रामाण्यविमर्शः**
डॉ. परमात्मादुबे २७१-२८०

१०. **विश्वेशाङ्गीकारे सांख्यदर्शनस्याक्षेपानौचित्यम्**
डॉ. (श्रीमती) बीना श्रीवास्तवा २८१-२८६

११. **औचित्यप्रस्थानसमीक्षणम्**
डॉ. छोटेलालत्रिपाठी २८७-२९८

१२. **औपम्यविवेकः**
डॉ. विजयकुमारपाण्डेयः २९९-३०६

लघु-ग्रन्थमाला

१. **सामान्यनिरुक्तिवादार्थः** १-५८

59. *idaṁvarṣīyā sārasvatī-suṣamā nopalabdhā*

60.1-2

१. **सूत्रवार्तिकभाष्याणां शैली**
डॉ. भीमसिंहो वेदालङ्कारः १-३४

२. **सुदिवदिशब्दयोः शुद्धस्वरूपत्वविमर्शः**
डॉ. हरिश्चन्द्रमणित्रिपाठी ३५-४४

३. **न्यायमतानुसारी सप्तम्यर्थविचारः**
डॉ. के.इ. धरणीधरः ४५-५०

४. **प्राचीननवीननैयायिकमतयोः आकाशपदशक्तिविचारः**
डॉ. कमलेशमिश्रः ५१-५६

५. **कापिलदर्शनमाश्रित्य सृष्टिप्रक्रिया तदालोचनञ्च**
डॉ. (श्रीमती) बीना-श्रीवास्तव ५७-६८

६. **आन्वीक्षिक्या अनितरसाधारणं विद्याप्रस्थानत्वम्**
डॉ. रामचन्द्रशर्मा ६९-७८

७. **न स्थैर्यं प्रत्यभिज्ञया**
डॉ. वृजकिशोरत्रिपाठी ७९-८८

८. **द्वितीयहेत्वाभाससामान्यलक्षणे केचन विमर्शाः**
डॉ. गणपतिशुक्लः ८९-१०६

९. **ध्वनिकारात्प्राग्ध्वनिध्वननम्**
प्रो॰ रमाशङ्करमिश्रः १०७-१२०

१०. **'मालतीमाधवे' प्रतिबिम्बिता सामाजिकी चेतना**
प्रो. विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो 'विनयः' १२१-१२८

११. **श्राद्धे मांसप्रयोगस्तदीयवेदशास्त्रप्रामाण्यविचारश्च**
श्रीशिवराज आचार्यः कौण्डिन्न्यायनः १२९-१८२

लघु-ग्रन्थमाला

१. **धातुवंसो** १-५७
सं. डॉ. विमलेन्द्रकुमारः

60.3-4

१. **कातन्त्रीयव्याख्यासु पतञ्जलिमतानां प्रामाण्यम्**
प्रो. जानकीप्रसादद्विवेदः १८३-१९६

२. **अधिकारसूत्रसमीक्षा**
डॉ. भगवतशरणशुक्लः १९७-२१०

३. **शुक्लयजुर्वेदमन्त्रसंहितायां नक्तमिति पदे ककारद्वित्वस्य विचारः**
श्रीमान् आमोदवर्धनः कौण्डिन्न्यायनः २११-२२२

४. **अद्वयद्वयसद्वपुः शिवः**
डॉ. कमलेशझाः २२३-२४८

५. **षट्त्रिंशत्तत्त्वसन्दोहविमर्शः**
डॉ. हरेरामत्रिपाठी २४९-२६०

६. **भक्तिप्रपत्त्योः स्वरूपविवेचनम्**
डॉ. जयप्रकाशनारायणत्रिपाठी २६१-२७०

७. **प्राच्यदृष्ट्या भूगर्भशास्त्रस्य समीक्षणम्**
डॉ. सदानन्दशुक्ल: २७१-२८४

८. **संस्कृतवाङ्मये नारीणां वैशिष्ट्यम्**
प्रो. रमाशङ्करमिश्र: २८५-२९८

९. **पञ्चमो नाट्यवेद:**
डॉ. (श्रीमती) प्रीतिसिन्हा २९९-३१०

१०. **संस्कृतवाङ्मये प्राणिविज्ञानम्**
डॉ. रामाशीषपाण्डेय: ३११-३२६

११. **ध्वन्यर्थविचार:**
डॉ. शिवरामशर्मा ३२७-३३२

१२. **धर्माभिवृद्धये नैमिषारण्यस्य महत्त्वम्**
डॉ. व्यासमिश्र: ३३३-३३६

१३. **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणानुसारं श्रीलक्ष्मणस्य चरितम्**
श्रीविनोदप्रसादमिश्र: ३३७-३४२

१४. **भक्तितत्त्वविमर्श:**
श्रीराजेश्वरद्विवेदी ३४३-३५०

१५. **बौद्धधम्मे तिसिक्खाय महच्चं**
प्रो. ब्रह्मदेवनारायणशर्मा ३५१-३५६

लघु-ग्रन्थमाला

१. **वैदिकतान्त्रिकाधिकारनिर्णय:**
श्रीकाशीनाथभट्ट:
सम्पादक: - डॉ. शीतलाप्रसाद-उपाध्याय: १-११

61.1-2

१. **निपातानां द्योतकत्व-वाचकत्वमीमांसा**
डॉ. हरिश्चन्द्रमणित्रिपाठी १-२०

२. **शब्दार्थविवृतौ स्वराणामुपादेयत्वम्** आचार्या नन्दिता शास्त्री २१-३२

३. धेनुपदवृत्तिविमर्शः
डॉ. करुणानन्दमुखोपाध्यायः ३३-३८
४. वैदिक-सनातन-वर्णाश्रम-धर्मे सन्न्यासिधर्मस्तद्विषयक-
वेदादिशास्त्रप्रामाण्यञ्च
श्रीसुमोदवर्धनः कौण्डिन्न्यायनः ३९-६८
५. महापुराणसम्मतं भक्तितत्त्वम्
डॉ. आशुतोषमिश्रः ६९-७४
६. पातञ्जलदर्शने पुरुषद्वैविध्यम्
(श्रीमती) डॉ. बीनाश्रीवास्तव ७५-८२
७. वाक्यशास्त्रस्य कश्चन विशेषः
डॉ. व्यासमिश्रः ८३-९२
८. विध्यर्थविचारः (विशेषतो मण्डनमिश्रदृष्ट्या)
डॉ. वृजकिशोरत्रिपाठी ९३-१०६
९. काव्यचोरणे राजशेखरीया विचारधारा
डॉ. एन्.के. सुन्दरेश्वरन् १०७-११४
१०. रसगङ्गाधर-व्याख्यातॄणां भट्टनायकमत-
विवरणे भ्रान्तिः
डॉ. विजयपालशास्त्री ११५-११८
लघु-ग्रन्थमाला
१. सामान्यनिरुक्तिविवेचना
श्रीधर्मदत्तशर्मा (बच्चाझाः)
सं. डॉ. राजारामशुक्लः १-१५०

61.3-4

१. कालिदासप्रबन्धेषु वेदान्तभावाः प्रो. वेम्पटिकुटुम्बशास्त्री ११९-१३४
२. मदुपज्ञं संस्कृतवाङ्मयम्
प्रो. मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः १३५-१४४

३. प्रातिशाख्येषु ऋऌवर्णयोः स्वरूपविमर्शः
प्रो. श्रीकिशोरमिश्रः १४५-१४८

४. प्रातिशाख्यदृशा वर्णानां स्थानप्रयत्नयोः समीक्षणम्
डॉ. चन्द्रकान्ताराय: १४९-१५८

५. मातृका : वर्णध्वनीनां माता
कु. श्रुतिराय १५९-१६४

६. योगतन्त्रे अवधूतवैशिष्ट्यप्रतिपादनम्
डॉ. ए. लक्ष्मणरावशास्त्री १६५-१७६

७. ग्रहणयोः सामान्यपरिचयः
श्रीजितेन्द्रकुमारदुबे १७७-१८४

८. शुद्धाद्वैतवेदान्तस्याविकृतपरिणामवादः
डॉ. सुधाकरमिश्रः १८५-१९४

९. अन्यथाख्यातिवादः
डॉ.का.इ. धरणीधरः १९५-२०२

१०. विशिष्टाद्वैतदर्शने न्यायवैशेषिकपदार्थविमर्शः
डॉ. पी.वी. शठकोपताताचार्यः २०३-२१०

११. दर्शनानां पुरुषार्थप्रयोजनकत्वम्
डॉ. विजयकुमारपाण्डेयः २११-२१६

१२. ध्वनेः काव्यात्मता
आचार्यश्रीरमाशङ्करमिश्रः २१७-२३०

१३. प्राच्य-पाश्चात्त्यराजनीतिविश्लेषणम्
डॉ. हेतरामकछवाहः २३१-२४४

१४. धर्मसापेक्षं राष्ट्रम्
डॉ. दिनेशकुमारगर्गः २४५-२५२

लघु-ग्रन्थमाला

१. अद्वैततत्त्वतरङ्गिणी
लेखकः–प्रो. राजारामशुक्लः
सम्पादकः–डॉ. राजेश्वरद्विवेदी १-५३

62.1-4 *Amṛta-mahotsavīyaḥ saṁpuṭaḥ*

१. आचार्यसनाथं काञ्चीपीठम्
प्रो. नरेन्द्रनाथपाण्डेयः १-१६

२. काञ्चीमठः, आचार्यपरम्परा च
डॉ. शरदिन्दुकुमारत्रिपाठी १७-२२

३. प्रत्यभिज्ञादर्शने स्वातन्त्र्यस्यावधारणा
प्रो. कमलेशझाः २३-५२

४. यत्र विश्वं भवत्येकनीडम्
डॉ. राममूर्तिचतुर्वेदी ५३-६२

५. मत्स्यमहापुराणे विविधव्रतवर्णनानि
प्रो. यदुनाथप्रसाददुबे ६३-७४

६. पुराणेषु जीवस्य क्रमिकविकासविमर्शः
डॉ. आशुतोषमिश्रः ७५-८८

७. शक्तिविचारः
डॉ. उदयनाथझाः 'अशोकः' ८९-१३४

८. **तन्त्रशास्त्रस्य पुरुषार्थानुबन्धित्वम्**
डॉ. परमात्मादुबे १३५-१४२

९. **व्याकरणे तदन्तविधिः**
डॉ. रमाकान्तपाण्डेयः १४३-१४६

१०. **लिपीनां प्रकारानुशीलनम्**
प्रो. शारदाचतुर्वेदी १४७-१५८

११. **नीतिशब्दव्युत्पत्तिस्तन्मूलकोऽर्थश्च**
डॉ. हेतरामकछवाहः १५९-१७०

१२. **अध्यासो नाम ख्यातिः**
डॉ. दिव्यचेतनब्रह्मचारी १७१-१८०

१३. **रसस्य प्रत्येयताप्रतिपादकस्थले काव्यप्रकाशस्याधुनिकव्याख्यातॄणां प्रमादः**
डॉ. विजयपालशास्त्री १८१-१८६

१४. **काव्यस्वरूपभेदविमर्शः**
डॉ. मङ्गलारामः १८७-१९६

१५. **उत्तररामचरितस्याङ्गिरससमीक्षा**
डॉ. हरिवंशकुमारपाण्डेयः १९७-२१२

१६. **निजानन्दविलासे अवस्थात्रयनिरूपणम्**
रामेश्वरि-विल्ला-एस. २१३-२१८

१७. **रसप्रतीतेर्न स्मृतिगुणवृत्त्यनुमितिगतार्थता**
डॉ. प्रभुसिंहयादवः २१९-२२४

१८. **सार्वजनीनशाश्वतमूल्यानां रत्नाकरो रामायणं महाकाव्यम्**
डॉ. धनञ्जयवासुदेवद्विवेदी २२५-२३८

१९. **योगशास्त्रे चित्तम्** श्रीशशिमौलिनाथपाण्डेयः २३९-२४६

२०. **महायानसूत्रेषु अनात्मवादः**
डॉ. केदारनाथशर्मा २४७-२५२

२१. **जैनदर्शने जीवस्वरूपम्**
डॉ. वीरसागरो जैन: २५३-२६४

लघु-ग्रन्थमाला

१. **श्रीगुरुप्रपत्तिः** १-४०
प्रो. वेम्पटिकुटुम्बशास्त्री

२. **श्रीकृष्णास्तवः** १-९२
ले. 'पद्मश्री'पण्डितश्रीरघुनाथशर्मा
सं. प्रो. नरेन्द्रनाथपाण्डेय:

63.1-4 *Surati-Nārāyaṇamaṇi-Tripāṭhin* special issue

१. **आतङ्कवादोन्मूलने संस्कृतसाहित्यस्य भूमिका**
मिश्रोऽभिराजराजेन्द्र: १-१२

२. **अर्थविज्ञानम्**
प्रो. शारदा-चतुर्वेदी १३-२८

३. **भाषासु वेदानां प्रभावः**
डॉ. रामाशीषपाण्डेय: २९-४०

४. **तं तु औपनिषदं पुरुषं पृच्छामि**
गोस्वामी श्याममनोहर: ४१-४८

५. **यज्ञस्य महत्त्वं तद्विकासक्रमश्च**
डॉ. चूडामणित्रिवेदी 'वेदाचार्य:' ४९-५४

६. **महाभाष्ये वर्णिता विद्याविशेषाः**
आचार्य-वि. मुरलीधरशर्मा ५५-७०

७. **पाणिनीयोत्कर्षविमर्शः**
डॉ. हरिवंशकुमारपाण्डेय: ७१-७८

८. **विभिन्नदार्शनिकाभिमतशाब्दबोधविमर्शः** डॉ. दिव्यचेतन(स्वरूप)ब्रह्मचारी ७९-९०

९. **स्फोटपदार्थः**
डॉ. सुधाकरमिश्रः ९१-९४

१०. **वेधपरम्परायां स्वस्त्ययनमन्त्रे च ज्योतिस्तत्त्वान्वेषणम्**
विद्यावाचस्पतिः डॉ. रामजीवनमिश्रः ९५-१०८

११. **श्रीमदाद्यशङ्कराचार्य्यभगवत्पादानां मठाम्नायव्यवस्थापनस्य दार्शनिकं व्यावहारिकं च रहस्यम्**
प्रो. विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो 'विनयः' १०९-११६

१२. **भगवद्गीतोक्तकर्मवादविशेषः कर्मयोगः**
डॉ. जया-मिश्रा ११७-१२२

१३. **ब्रह्मण आनन्दमयत्वविचारः**
डॉ. धनञ्जयकुमारपाण्डेयः १२३-१३०

१४. **अर्थ एव प्रधान इति कौटिल्यः**
डॉ. हेतराम-कछवाहः १३१-१४४

१५. **राजविद्यायां कूटनीतिः**
डॉ. दिनेशकुमारगर्गः १४५-१६४

१६. **अध्वा समस्त एवायं श्रीशिवाभेदवृत्तिमान्**
डॉ. कमलेश-झाः १६५-१७०

१७. **तन्त्रदृष्ट्याऽज्ञानस्वरूपम्**
श्रीशशिशेखरनाथपाण्डेयः १७१-१७८

१८. **श्राद्धस्वरूपविमर्शः**
डॉ. हिमांशुशेखरत्रिपाठी १७९-१८२

१९. **साहित्यशास्त्रे चिदानन्दसमीक्षणम्**
प्रो. छोटेलालत्रिपाठी १८३-२००

२०. **महाकविबाणभट्टस्य सौन्दर्यदृष्टेः परिशीलनम्**
डॉ. बालकृष्णशर्मा २०१-२१०

२१. **मानवचित्तविकृतिं धर्षयितुं संस्कृतबौद्धजातक-साहित्यस्योपयोगित्वम्** डॉ.धर्मदत्तचतुर्वेदी २११-२२२

२२. साहित्यशास्त्रे ध्वनिविज्ञानम्
डॉ. शरच्चन्द्रद्विवेदी २२३-२३०
२३. रस-सिद्धान्तः
डॉ. वृजेशमणिपाण्डेयः २३१-२३८
२४. केशवमिश्रकृतालङ्कारशेखरसमीक्षणम्
डॉ. राजुकमारमिश्रः २३९-२४२
२५. पण्डितश्रीसुरतिनारायणमणित्रिपाठिवर्य्याणां वाग्वैभवम् २४३-२९६
लघु-ग्रन्थमाला
१. श्रीरामस्तवः १-८२
ले. 'पद्मश्री'पण्डितश्रीरघुनाथशर्मा
सं. प्रो. नरेन्द्रनाथपाण्डेयः

64.1-4 Raghunāthaśarman Special Issue

१. तं नौमि पण्डितवरं रघुनाथसंज्ञम्
मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः १-२
२. श्रीरघुनाथवैभवामृतशतकम्
पण्डितश्रीमनुदेवभट्टाचार्यः ३-१८
३. श्रीरघुनाथशर्मतातपादानां जीवनवृत्तम्
प्रो. नरेन्द्रनाथपाण्डेयः १९-३६
४. आर्हतवाङ्मये सन्मार्गविमर्शः
मिश्रोऽभिराजराजेन्द्रः ३७-४४
५. प्रातिशाख्यकारः कात्यायनस्तस्य पाणिनिपूर्वभावित्वञ्च
प्रो. युगलकिशोरमिश्रः ४५-५०
६. ऋग्वेदीयदार्शनिकसूक्तानां लोकोपकारकत्वम्
डॉ. राममूर्तिचतुर्वेदी ५१-६२
७. अथर्ववेदस्थभैषज्यविज्ञानविमर्शः
पण्डितश्रीरवीन्द्रनाथभट्टाचार्यः ६३-७०

८. कातन्त्रव्याकरणस्य ग्रन्थसम्पदा
प्रो. जानकीप्रसादद्विवेदः ७१-८४

९. वैयाकरणमते शब्दप्रामाण्यविचारः
डॉ. भगवतशरणशुक्लः ८५-१००

१०. जातेरस्त्रीविषयादयोपधादिति पाणिनिसूत्रसमीक्षा
डॉ. वृजकिशोरत्रिपाठी १०१-१२२

११. व्याकरणशास्त्रे परिसंख्या
डॉ. दिव्यचेतनब्रह्मचारी १२३-१३०

१२. पाणिनीयव्याकरणस्य व्यावहारिकत्वम्
डॉ. किरण-आर्या १३१-१३६

१३. भारतीयदर्शनेऽक्षरस्वरूपम्
प्रो. राममूर्तिशर्मा १३७-१४२

१४. दर्शनेषु शक्तिस्वरूपविमर्शः
प्रो. रामकिशोरत्रिपाठी १४३-१५८

१५. वेदान्तमीमांसायां स्वप्रकाशत्वम्
डॉ. धनञ्जयकुमारपाण्डेयः १५९-१७०

१६. प्रणवस्वरूपविमर्शः
डॉ. हरिवंशकुमारपाण्डेयः १७१-१९४

१७. न्यायमाश्रित्य कारकस्वरूपविमर्शः
डॉ. हरेरामत्रिपाठी १९५-२०४

१८. ब्रह्माण्डपुराणे धर्मो मोक्षश्च
डॉ. चन्द्रकान्तारायः २०५-२१४

१९. श्रीमद्भागवतप्रस्थाने प्रत्यक्षप्रमाणविमर्शः
प्रो. विन्ध्येश्वरीप्रसादमिश्रो 'विनयः' २१५-२४२

२०. भगवद्गीतातिरिक्तान्यगीतासु गर्भितं ज्ञानम्
सुश्रीसाधनात्रिपाठी २४३-२५०

२१. **महिमाचार्यस्य सूक्ष्मा दृक्**
प्रो. रेवाप्रसादद्विवेदी २५१-२५६

२२. **शान्तरसस्यानभिनेयत्वम्**
प्रो. छोटेलालत्रिपाठी २५७-२६२

२३. **टीका-विमर्शः**
प्रो. प्रभुनाथद्विवेदी २६३-२७४

२४. **काव्यलक्षणान्वीक्षा**
प्रो. चन्द्रमौलिद्विवेदी २७५-२८८

२५. **कर्पूरमञ्जर्यां चरित्रचित्रणम्**
प्रो. हरिशंकरपाण्डेयः २८९-३१२

२६. **भाषाविज्ञानदृष्ट्या भाषाविचारः**
प्रो. शारदा-चतुर्वेदी ३१३-३२४

२७. **काव्यमीमांसाप्रकाशे राजशेखरकाव्यपरिशीलनम्**
डॉ. बालकृष्णशर्मा ३२५-३३२

२८. **स्वाध्यायस्वरूपं माहात्म्यं च**
डॉ. अरुणकुमारमिश्रः ३३३-३३८

२९. **पण्डितराजजगन्नाथः–श्रीकृष्णभक्तः**
डॉ. शरच्चन्द्रद्विवेदी ३३९-३४४

३०. **रससम्मतचतुर्वादविमर्शः**
डॉ. राजकुमारमिश्रः ३४५-३५०

३१. **गुरुवर्याणां पं. रघुनाथशर्मणां संस्मरणम्**
डॉ. नरेन्द्रकुमारतिवारी ३५१-३५४